उपलब्धि | ग्लोबल ट्रेड रिसर्च की रिपोर्ट में गुजरात व यूपी प्रमुख प्रोसेसिंग केंद्र बने, प्रदेश में करीब 65 हजार यूनिटें

खाद्य प्रसंस्करण से ढाई लाख को रोजगार

लखनऊ, विशेष संवाददाता।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को औद्योगिक रूप दिया जा रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में गुजरात और उत्तर प्रदेश को देश के मुख्य प्रोसेसिंग केंद्र माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार आपूर्ति में गुजरात के मेहसाणा और बनासकांठा में आधुनिक डिहाइड्रेशन संयंत्र विकसित हुए हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा और फर्रूखाबाद में नए अत्याधुनिक प्रोसेसिंग प्लांट्स लग रहे हैं। इसमें करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

इन संयंत्रों को कांट्रैक्ट फार्मिंग और कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क का मजबूत आधार मिला है, जिससे किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिल रहा है। इससे किसानों तो आत्मनिर्भर बन ही रहा है, साथ में यूपी 'कृषि से उद्योग' परिवर्तन मॉडल के रूप में स्थापित हो रहा है। प्रदेश में 65 हजार से अधिक फूड प्रोसेसिंग इकाइयां चल रही हैं, जिनसे करीब 2.55 लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

राज्य सरकार ने हर जिले में कम से कम 1000 नई प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इससे खेती को मूल्य संवर्धन और रोजगार दोनों के अवसर मिलेंगे। प्रदेश में अब तक 15 से अधिक एग्रो व फूड प्रोसेसिंग पार्क विकसित हो चुके हैं। इसमें बरेली, बाराबंकी, वाराणसी और गोरखपुर प्रमुख हैं।

16 अरब से बरेली में बीएल एग्रो प्रोसेसिंग हब प्रस्तावित है

सरकार का फोकस फल सब्जी प्रसंस्करण पर

राज्य सरकार का विशेष फोकस फल-सब्जी प्रसंस्करण, हाई-वैल्यू क्रॉप्स और निर्यात-उन्मुख उद्योगों पर है, ताकि राज्य की कृषि उत्पादकता वैश्विक बाजार से सीधे जुड़ सके। इसी दिशा में आगरा में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की योजना बनाई गई है।

आलू उत्पादक जिलों के लिए बड़ा अवसर होगा

यह पहल कानपुर, आगरा, लखनऊ और फर्रूखाबाद जैसे प्रमुख आलू उत्पादक जिलों के लिए बड़ा अवसर साबित होगी। मौजूदा समय अमेरिका, बांग्लादेश, यूएई और वियतनाम जैसे देश भारत से बड़े पैमाने पर प्रॉसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स का आयात कर रहे हैं।